नीलगिरि तहर

[स्रोत: द हिंदू](#)

केरल और तमिलनाडु में **संयुक्त रूप** से किये गए जनगणना में कुल **2,668 नीलगिरी तहर** दर्ज किये गए, जिनमें से **1,365 केरल में और 1,303 तमिलनाडु** में पाए गए।

नीलगिरि तहर (*Nilgiritragus hylocrius*)

- **परिचय**: **वरयाडू या नीलगिरी आइबेक्स** के नाम से भी जाना जाने वाला यह एक **कप्रीन खुरधारी जीव** है, जो केवल **पश्चिमी घाटों** में पाया जाता है, विशेष रूप से तमिलनाडु (जहाँ यह राज्य पशु है) और केरल में।
  - यह प्रजाति **1,200 से 2,600 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित **पर्वतीय घास के मैदानों** और **शोला वनों** में पाई जाती है तथा **पश्चिमी घाट की घास वाली ढलानों और चट्टानों** पर पाई जाती है।
  - केरल में **एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान (ENP)** में सबसे अधिक संख्या में होते हैं, जबकि **पिलानी हिल्स, श्रीविल्लिपुत्तूर, मेघमलाई और अगस्तियार पर्वतमाला** में कम संख्या में पक्षी पाए जाते हैं।
- **व्यवहार एवं जीवन चक्र:** यह **एक दिवाचर (दिन में सक्रिय) प्रजाति** है, जिसकी **औसत आयु लगभग 3 से 3.5 वर्ष** होती है, हालाँकि **अनुकूल परिस्थितियों में यह प्रजाति 9 वर्ष तक जीवित** रह सकती है।
- **खतरे: आवास क्षरण** (निर्विनीकरण, जलविद्युत परियोजनाएँ, एकसांस्कृतिक वनरोपण), **पशुओं के साथ प्रतिस्पर्द्धा, शिकार और स्थानीय स्तर पर विलुप्ति** (जैसे कि कर्नाटक के उच्च भूमि क्षेत्र)।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:** यह बाघ और तेंदुए के लिये प्रमुख शिकार प्रजाति है और **नीलगिरी लंगूर** व **लायन-टेल्ड मेकाक** जैसे स्थानिक प्रजातियों के साथ सह-अस्तित्व में रहती है; साथ ही यह **पर्वतीय चरागाह के स्वास्थ्य** का सूचक है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - **IUCN स्थिति: संकटग्रस्त**
  - **WPA, 1972: अनुसूची-I**

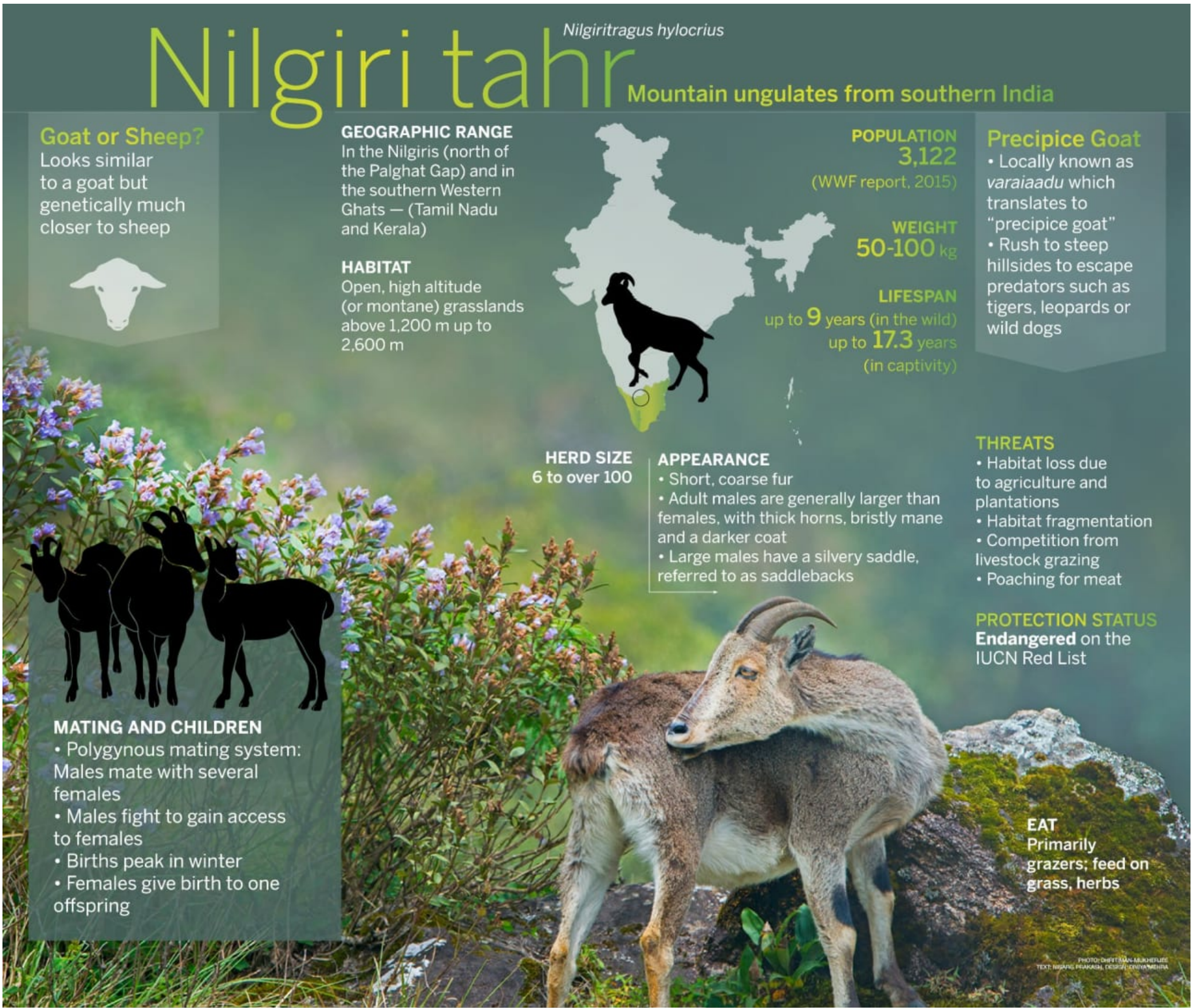

और पढ़ें: [नीलगिरि तिहर]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nilgiri-tahr